



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 41]

नई दिल्ली, मंगलवार, फरवरी 4, 2003/माघ 15, 1924

No. 41]

NEW DELHI, TUESDAY, FEBRUARY 4, 2003/MAGHA 15, 1924

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटन रोधी तथा सम्बद्ध शुल्क महाविभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 31 जनवरी, 2003

प्रारम्भिक निष्कर्ष

विषय : चीन जनवादी गणराज्य से मापन टेप के आयात के संबंध में पाटनरोधी जांच।

सं. 14/31/2002-डी.जी.ए.डी.—भारत सरकार 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 तथा सीमा शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली 1995 को ध्यान में रखते हुए:-

क. प्रक्रिया

1. जांच के संबंध में निम्नलिखित प्रक्रिया का पालन किया गया है:-

- (i) निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे इसके पश्चात प्राधिकारी कहा गया है) को उपरोक्त नियमों के तहत धरेलू उद्योग की ओर से मैसर्स एफ0एम0आई लुधियाना और मैसर्स प्रीमैन मेजर्स

लि० लुघियाना की ओर से एक लिखित याचिका प्राप्त हुई है, जिसमें चीन गणराज्य (जिन्हें इसके बाद संबद्ध देश कहा गया है) से अथवा वहां से निर्यातित मापने वाली टेप के पाटन का आरोप लगाया गया है।

- (ii) याचिकाकर्ता द्वारा दायर आवेदन की प्रारंभिक जांच करने पर कुछ कमियां दृष्टिगत हुईं, जिन्हें बाद में याचिकाकर्ता द्वारा सुधार लिया गया। अतः यह याचिका उचित तौर पर प्रलेखित की गई मानी गई।
- (iii) प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत किये गये पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर चीन गणराज्य से संबद्ध वस्तुओं के आयात के प्रति जांच शुरू करने का निर्णय लिया। प्राधिकारी ने नियमों के उप नियम 5(5) के अनुसार जांच की कार्रवाई शुरू करने से पहले पाटन के आरोप पत्र की प्राप्ति के बारे में नई दिल्ली स्थित चीन के दूतावास को सूचित किया।
- (iv) प्राधिकारी ने दिनांक 20-10-2002 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की जिसे भारत के राजपत्र असाधारण में प्रकाशित किया गया, जिसके द्वारा चीन के मूल अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं जिन्हें कस्टम टैरिफ एक्ट 1975 की अनुसूची-I के तहत वर्गीकृत किया गया है, के आयात के बारे में पाटनरोधी कार्रवाई आरम्भ की गई है।
- (v) प्राधिकारी ने नियम 6(2) के अनुसार उक्त सार्वजनिक सूचना की एक प्रति ज्ञात निर्यातकों (जिनका ब्यौरा याचिकाकर्ता द्वारा उपलब्ध कराया गया था) को भेजी और उन्हें इसके जारी होने के चालीस दिन के भीतर अपने विचार लिखित रूप में प्रस्तुत करने की सलाह दी गई।

- (vi) प्राधिकारी ने नियम 6(2) के अनुसार उक्त सार्वजनिक सूचना की एक प्रति ज्ञात आयातकों (जिनका ब्यौरा याचिका कर्ता द्वारा उपलब्ध कराया गया था) को भेजी और उन्हें इसके जारी होने के चालीस दिन के भीतर अपने विचार लिखित रूप में प्रस्तुत करने की सलाह दी गई ।
- (vii) केन्द्रीय उत्पाद और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीईसी) एवं डीजीसीआई एंड एस कोलकाता से अनुरोध किया गया कि वे जांच अवधि सहित पिछले तीन वर्षों के दौरान भारत में दिये गये संबद्ध वस्तु के आयातों का ब्यौरा दें ।
- (viii) प्राधिकारी ने उपरोक्त नियम 6(3) के अनुसार याचिका की एक प्रति ज्ञात निर्यातकों और संबद्ध देशों के दूतावासों को भेजी । जब कभी अनुरोध प्राप्त हुए अन्य हितबद्ध पक्षों को याचिका के अगोपनीय अंशों की प्रति भी उपलब्ध कराई गई ।
- (ix) प्राधिकारी ने नियम 6(4) के अनुसार निम्नलिखित ज्ञात/निर्यातकों/उत्पादकों को संगत सूचना प्राप्त करने के लिये एक प्रश्नावली भेजी ।

1. नांग्बो लैंड टूल्स एंड मैजरींग टूल्स कंपनी लिमिटेड
नं० 60 चेंमजीयो रोड
यूयाव सीटी जेझिंग
2. निंग्बो होंगदी मेजरिंग टेप इण्डस्ट्री कम्पनी
झिजिया गांव युयाओ, निंग्बो
चीन

3. टॉप लॉग इन्डस्ट्रीयल कंपनी लिमि०
826, सेक्टर - 2 , चुंग-सांन-रड
ताई शॉन हंसिंग
243, ताईपेई हसेन, ताईवान, आर०ओ०सी०

4. जौनी इन्टरप्राइजेज कम्पनी लिमि०
पो० बाक्स 26-551
ताईपेई, ताईवान

5. ताईवान सान तयायु कम्पनी लिमि०
पो० बाक्स नं० 401 हसैन तीयन, ताईपेई
ताईवान सान तयायु कम्पनी लिमि०

(x) नियम 6(2) के अनुसार नई दिल्ली में संबंध देशों के दूतावासों को जांच शुरू होने के बारे में सूचित किया गया था और साथ ही उनसे यह अनुरोध भी किया गया कि वे अपने देश के सभी संबंध निर्यातकों/आयातकों की प्रश्नावली का उत्तर निर्धारित समय के भीतर देने की सलाह दें। नियम 6(3) के अनुसार संबंध देशों के दूतावासों को पत्र, याचिका और ज्ञात निर्यातकों को भेजी गई प्रश्नावली की प्रति भी भेजी गई थी।

(xi) नियम 6(4) के अनुसार संबंध वस्तु के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/उपयोगकर्ता संघों को एक प्रश्नावली भेजी गई थी।

1. मैसर्स लोहिया ट्रेड कोनसर्न, दिल्ली
2. मैसर्स विनय ब्रदर्स, मुम्बई
3. मैसर्स वी०के० इंटरनेशनल, मुम्बई

प्रश्नावली/अधिसूचना के प्रति निम्नलिखित निर्यातकों/उत्पादकों द्वारा उत्तर/सूचना दायर की गई - शून्य

प्रश्नावली/अधिसूचना के प्रति निम्नलिखित आयातकों/उपयोगकर्ता संघों द्वारा उत्तर/सूचना दायर की गई - शून्य

(xii) याचिकर्ताओं से क्षति के बारे में सूचना मांग गई थी जो याचिकर्ता द्वारा प्रस्तुत की गई । निम्नलिखित घरेलू उत्पादकों के क्षति के मापदंड दिये गये थे ।

1. मैसर्स एफ एम आई लिमि0, लुधियाना
2. मैसर्स प्रीमैन्स मैजर्स लिमि0, लुधियाना

(xiii) प्राधिकारी ने नियम 6(7) के अनुसार, विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों के गोपनीय अंशों को अपने द्वारा रखी गई सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध रखा और उसे हितबद्ध पक्षों द्वारा निरीक्षण किये जाने के लिये खुला रखा ।

(xiv) याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना के आधार पर सामान्यतौर पर स्वीकार्य लेखाकरण के नियमों (जीएएपी) के आधार पर उत्पादन की इष्टतम लागत और भारत में संबद्ध वस्तु को बनाने और विक्रय करने की लागत का निर्धारण किया ।

निम्नलिखित घरेलू उद्योग के उत्पादन के आंकड़ों की लागत के बारे में उचित तरीके से विचार किया एवं जाँच की गई ।

1. मैसर्स एफ एम आई लिमि0 लुधियाना
2. मैसर्स प्रीमैन्स मैजर्स लिमि0, लुधियाना

(xv) इस अधिसूचना में हितबद्ध पक्षों द्वारा गोपनीय आधार पर उपलब्ध कराई गई सूचना प्रदर्शित होती हो जिसे नियमों के तहत प्राधिकारी द्वारा ऐसा ही माना गया है ।

(xvi) 1 अप्रैल 2001 से 30 जून 2002 तक की अवधि अर्थात् जॉचावधि के लिये जांच शुरु की गई थी ।

(ख) निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षों के विचार

1. याचिकाकर्ता के विचार

(क) विचाराधीन उत्पाद

वर्तमान याचिका में विचाराधीन उत्पाद मापक टेप है और इसके पाटर्स और कम्पोनेट को ध्यान में रखते हुए मापक टेप निम्नलिखित प्रकार की हो सकती है:-

1. स्टील टेप
2. फाइबरग्लास टेपस
3. मेटल वायर टेप

स्टील टेप को दो भागों में विभाजित किया गया है -

1. पाकेट टेप
2. पाकेट से दूसरे प्रकार की टेप

पाकेट टेप 2, 3, और 5 मीटर है जबकि अन्य टेप 5 मीटर से लम्बी हो सकती है । लम्बी टेप 10, 15, 20, 25, 30 मीटर आदि विभिन्न चौड़ाई वाली हो सकती है । जब यह लम्बाई होती है तथा इसे और अधिक लम्बाई में बनाते हैं । टेप दूसरे लम्बाई में भी बनाये जा सकते हैं ।

वर्तमान याचिका को विषय में सभी प्रकार की स्टील मापक और फाइबर ग्लास टेप और उसके पार्ट और कम्पोनेट (जबतक आयात जारी है मापक टेप पर प्रभाग होगा) है । मापक टेप सामान्यतया वस्तु की लम्बाई चौड़ाई आदि के मापने के उपयोग में आता है । यह

इंजीनियरिंग, फोरमेन, मैसन, कारयेन्टर वन विभाग, अर्जी आदि के लिये इसी कार्य के लिये उपयोग में आता है। स्टील टेप उच्च कार्बन स्टील, फास्फोटेड को उच्च ताप के द्वारा निर्मित किया गया और विशेष एनामेल की परत चढ़ाई जिसमें जंग व अपघर्षण से बचाया जा सके।

मापक टेप निम्नलिखित के लिये उपयोग में लाई जाती है:-

- (क) उच्च स्तरीय अति सूक्ष्म व्यवसायिक कार्य
- (ख) वस्तु की गहराई, चौड़ाई और लम्बाई मापने के लिये
- (ग) निर्माण-एंड सर्वे

नाम के अनुसार मापक टेप माप की सूक्ष्मता को देखने के लिये प्रयोग में लाई जाती है।

जब मापने की जगह भी आवश्यकता होती है, उसे लाया जाता है।

मापक टेप की तकनीकी भाषा में लम्बाई चौड़ाई मापने के लिये टेप है, जिसके बनाने में स्टील और फाइबर ग्लास के कच्चे माल का प्रयोग किया जाता है और अंत में सूक्ष्मता पूर्वक ल० चौ० के चिन्ह लगाये जाते हैं। यह सीमा शुल्क दर सूची (टेरिफ) अधिनियम के अधीन अध्याय 90 के उपशीर्ष 9017, 9017.80, 9017.8001, 9017.90 में वर्गीकृत हैं। याचिकाकर्ता ने उल्लेख किया है कि संबंध वस्तुओं को उल्लिखित उपशीर्ष के अन्तर्गत आयात किया था।

(ख) घरेलू उद्योग

मौजूदा याचिका घरेलू उद्योग की ओर से एफ.एम.आई. लिमिटेड, लुधियाना और फ्रीमैन्स मेजर्स लिमि०, लुधियाना द्वारा संयुक्त रूप से दायर की गई है। कुल घरेलू उत्पादन 608343 किलोग्राम है और याचिकाकर्ता कम्पनियों की हिस्सेदारी संबंध वस्तु के उत्पादन

में 90 प्रतिशत है। एफ.एम.आई. लिमि0, लुधियाना और फ्रीमैन्स मेजर्स लिमि0, लुधियाना, बहु उत्पादन कंपनियां हैं।

(ग) समान प्रकार की वस्तु

(i) भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित और चीन जनवादी गणराज्य से आयातित संबंध वस्तु में कोई ज्ञात अन्तर नहीं है। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित और चीनी जनवादी गणराज्य से आयातित संबंध वस्तु, उत्पाद विनिर्देशों, विनिर्माण प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी, कार्यों व उपयोग, मूल्य निर्धारण, वितरण और विपणन और वस्तु का शुल्क वर्गीकरण आदि जैसी विशेषताओं के संदर्भ में तुलनीय है। ये दोनों तकनीकी और वाणिज्यिक तौर पर प्रतिस्थापनीय है। उपभोक्ता इन्हें अदल-बदल कर उपयोग में ला रहे हैं। याचिकाकर्ताओं द्वारा उत्पादित और चीन जनवादी गणराज्य से आयातित संबद्ध टेपों को पाटनरोधी नियमों के अनुसार समान प्रकार की वस्तु के रूप में माना जाना चाहिए।

(ii) घरेलू उद्योग और चीन में विनिर्माताओं द्वारा अपनाई गई प्रौद्योगिकी में कोई अन्तर नहीं है। घरेलू उद्योग द्वारा अपनाई गई प्रौद्योगिकी चीन में विनिर्माताओं द्वारा अपनाई गई प्रौद्योगिकी के साथ तुलनीय है। तथापि, प्रत्येक विनिर्माता आवश्यकता और उपलब्ध सुविधाओं के आधार पर अपनी उत्पादन प्रक्रिया को परिष्कृत करते हैं।

(घ) पाटन

(i) मौजूदा मामले में चीन जनवादी गणराज्य एक गैर बाजारवादी अर्थव्यवस्था है। चीन को विगत तीन वर्षों में यूरोपीय आयोग और संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा गैर बाजार वादी अर्थव्यवस्था माना गया है। यूरोपीय संघ और संयुक्त राज्य अमेरिका, विश्व व्यापार

संगठन के सदस्य है । भारत में भी निर्दिष्ट प्राधिकारी ने चीन को गैर बाजारवादी अर्थव्यवस्था माना है ।

- (ii) निर्दिष्ट प्राधिकारी ने व्यावहारिक तौर पर दिनांक 31 मई 2002 के संशोधनों के उपरान्त चीन के प्रति शुरु की गई सभी जांचों में चीन को गैर बाजारवादी अर्थव्यवस्था माना है । यहां तक कि दिनांक 4 जनवरी 2002 के संशोधन के बाद निर्दिष्ट प्राधिकारी ने चीन को गैर बाजारवादी अर्थव्यवस्था के रूप में माना है ।
- (iii) चीन से फेरो मोलीब्डेनम, चीन से बाई-साइकिल, और चीन से हिमित सेव जूस सांद्र (कंसन्ट्रेट) के मामले में विश्व बाजार संघ के अन्य देशों, यूरोपीय आयोग द्वारा चीन को गैर-बाजारवादी अर्थव्यवस्था मानने के संबंध में चीन को एक गैर बाजारवादी अर्थव्यवस्था के रूप में लिया गया है ।
- (iv) संयुक्त राज्य अमेरिका ने चीन को चीन द्वारा स्टील कंकरीट प्रबलित करने वाली सिल्लियों (रिइनफोर्सिंग बार्स) के निर्यात के मामले में एक गैर बाजारवादी अर्थव्यवस्था माना है और वे अभी भी चीन को बाल विथिरिंग के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच के मामले में एक गैर बाजारवादी अर्थव्यवस्था मान रहे हैं ।
- (v) चीन में सामान्य मूल्य का निर्धारण गैर बाजारवादी अर्थव्यवस्था से संबंधित नियमों के अनुसार किया जाना होता है । बिक्री, साधारण और प्रशासनिक व्ययों के लिये संयोजन किये जाने के बाद उत्पादन की लागत के आधार पर सामान्य मूल्य का अनुमान लगाया गया है ।
- (vi) याचिकाकर्ता, संबंध देशों से कारोबार-वाय आयात सूचना के साक्ष्य प्राप्त करने में सफल रहे हैं । जैसाकि उम्पर उल्लेख किया गया है कि आयात विभिन्न यूनिटों जैसेकि संख्या,

पी०सी०एस० दर्जन, सकल, किलोग्राम, मीटर, पैकेज, बाक्स, कालम, सीटीएन, सेट, यूनिट, आदि में आ रहे हैं।

- (vii) डी०जी०सी०आई एंड एस द्वारा संकलित सूचना इन कारणों से अविश्वनीय है कि
- (क) मापन टेपों के लिये अभिप्रेत कस्टम्स वर्गीकरण में सभी आयात नहीं किये गये ह,
- (ख) द्वितीयक स्रोतों से एकत्रित सूचना के अनुसार अन्य वर्गीकरणों जैसे कि 90170000, 901710001, 90173001, 9012800, 90178001, 90178009, 90179000 के तहत काफी आयात किये गये हैं, और (ग) डी०जी०सी०आई०एंड एस० ने भार के संदर्भ में आयातों की सूचना दी है और यह ज्ञात नहीं है कि कैसे डी०जी०सी०आई० एंड एस० ने किस प्रकार आयातों को किलोग्राम में बदला है (क्या डी०जी०सी०आई०एंड एस० ने वास्तव में बदला है अथवा नहीं)।
- (viii) याचिकाकर्ता प्रस्तुत करते हैं कि सौदेवार द्वितीयक आंकड़े निर्यात मूल्य के आकलन के उद्देश्य के लिये उचित नहीं हैं। अतः याचिकाकर्ता ने सौदेवार द्वितीयक आंकड़ों के आधार पर निर्यात मूल्य को आंका है। पाकेट टेपों के आयात पर विचार करते हुए निर्यात मूल्य को आंका गया है क्योंकि आयातों में पाकेट टेपों का अंश प्रमुख है। घरेलू उद्योग के लिये भी उनके उत्पादन और बिक्री में पाकेट टेपों का अंश प्रमुख है।
- (ix) चीन जनवादी गणराज्य में उत्पादक इसी तरह की प्रौद्योगिकी को उपयोग में लाकर मापन टेपों का उत्पादन कर रहे हैं। चूंकि भारत में भी तुलनात्मक प्रक्रिया के साथ संयंत्र मौजूद हैं, याचिकाकर्ताओं ने विभिन्न कच्ची सामग्री, जो निर्यातक के साथ तुलनीय है, के लिये भारत में उसी किसी भी संयंत्र से संबंधित निर्मित उत्पादन की लागत को अपनाया है, जो खपत मापदंडों को उपयोग में लाकर समान प्रकार की प्रक्रिया रखता हो। चीन के लिये सामान्य मूल्य **** अमेरिकी डालर निकाला गया है।

- (x) याचिका में द्वितीयक स्रोतों से उपलब्ध सामाग्री के आधार पर समुद्री मालभाडा, समुद्री बीमा, पत्तन व्यय, कमीशन और अंतर्देशीय मालभाडे के लिये क्रमशः****, ****, **** और **** का समायोजन किये जाने के उपरान्त एक्स - फैक्टरी निर्यात मूल्य *** बैठता है।
- (xi) उपर्युक्त के सामान्य मूल्य और निर्यात मूल्य के आधार पर पाटन मार्जिन 1406.2 प्रतिशत बैठता है।
- (xii) भारत सरकार ने नियमों के पैराग्राफ 8 को 4 जनवरी 2002 को संशोधित किया, जो निम्न प्रकार से है:-
 "दिनांक 4.1.2002 को संशोधित अनुबंध -1 का पैराग्राफ -8"
 क) "गैर-बाजारवादी अर्थव्यवस्था वाला देश" शब्दों का तात्पर्य उस किसी भी देश से है जिसे निर्दिष्ट प्राधिकारी यह निर्धारित करते हैं कि वह देश लागत अथवा मूल्य निर्धारण संरचनाओं के बाजार नियमों पर प्रचालन नहीं कर रहा है, जिससे कि उप पैराग्राफ (3) में दिए गए निर्दिष्ट मापदण्ड के अनुसार इस प्रकार के देश में सौदे की बिक्री, सौदे के उचित मूल्य को परिलक्षित नहीं करती है।
- ख) ऐसी धारणा रखी जाएगी कि वह कोई भी देश, जिसे निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा अथवा जांच के पिछले तीन वर्ष की अवधि के दौरान विश्व व्यापार संघ के किसी भी सक्षम प्राधिकारी द्वारा पाटनरोधी जांच के उद्देश्य के लिए गैर-बाजारवादी अर्थव्यवस्था वाला देश माना गया है अथवा उसे ऐसा माने जाने की बात का निर्धारण किया गया है, एक गैर-बाजारवादी अर्थव्यवस्था वाला देश है।
- ग) बशर्ते कि गैर-बाजार की अर्थव्यवस्था वाला देश अथवा इस प्रकार के देश से संबंधित फर्म निर्दिष्ट प्राधिकारी को ऐसी सूचना और साक्ष्य देकर इस प्रकार की धारणा का खंडन करे

जो यह स्थापित करती हो कि नियमों के अनुसार निर्धारित मापदण्डों के आधार पर वह देश एक गैर बाजारवादी अर्थव्यवस्था वाला देश नहीं है।

- घ) निर्दिष्ट प्राधिकारी, प्रत्येक मामले में निम्नलिखित मापदण्डों पर विचार करेंगे, कि क्या ;
- (i) कच्चे माल, प्रौद्योगिकी और श्रमिक लागत, उत्पादन बिक्री और निवेश सहित मूल्यों, लागत और आदानों के बारे में इस प्रकार के देश में संबंधित फर्मों का निर्णय, पूर्ति और मांग को परिलक्षित करते हुए और इस संबंध में सार्थक राज्य हस्तक्षेप के बगैर बाजार संकेतों के प्रतियुत्तर में लिया जाता है, और क्या प्रमुख आदानों की लागत पर्याप्त रूप से बाजार मूल्यों को परिलक्षित करती है।
 - (ii) इस प्रकार की फर्मों की उत्पादन लागत और वित्तीय स्थिति में इस प्रकार का काफी विरूपण हो सकता है जो पूर्व की गैर बाजारवादी अर्थव्यवस्था वाली पद्धति से आगे लाई गई हो, विशेषकर कि परिसम्पत्तियों के अवमूल्यन, अन्य बट्टे खातों में डालने, वस्तु विनियम व्यापार और ऋणों की क्षति पूर्ति के माध्यम से भुगतान के संदर्भ में।
 - (iii) इस प्रकार की फर्में दिवालियापन और परिसम्पत्ति के उन नियमों के शर्ताधान होती हैं जो नियम इन फर्मों के प्रचालन के लिए विधिक निश्चितता और स्थायित्व की गारंटी देते हैं, और
 - (iv) विनियमदर की अदला-बदली, बाजार दर पर की जाती है ;
 - (xiii) तथापि, बशर्ते कि उन मामलों में जहां इस पैराग्राफ में निर्दिष्ट मापदण्डों के आधार पर लिखित में पर्याप्त साक्ष्य दिए गए हों, कि पाटनरोधी नियमों की शर्ताधीन इस प्रकार की एक अथवा अधिक फर्मों के लिए बाजार की स्थितियां मौजूद हैं, निर्दिष्ट प्राधिकारी, इस

पैराग्राफ में दिए गए सिद्धान्तों की बजाए पैराग्राफ 1 से 6 तक में दिए गए सिद्धान्तों को लागू कर सकते हैं।

(xiv) उपर्युक्त से यह स्पष्ट है कि पैराग्राफ 8 जिसे 31.5.2001 को शामिल किया गया था, को 14.02.2002 को निम्न तरीके में संशोधित किया गया है:-

- उस देश को जिसे निर्दिष्ट प्राधिकारी अथवा किसी अन्य जांच प्राधिकारी जो विश्व व्यापार संघ के सदस्य हो, द्वारा पिछले तीन वर्षों के दौरान गैर-बाजारवादी अर्थव्यवस्था माना गया हो, गैर-बाजारवादी अर्थव्यवस्था माना जा सकता है।
- इस प्रकार के सभी देशों में स्थित फर्में, कम्पनियां ; बाजारवादी अर्थव्यवस्था पर संगत सूचना दे सकती हैं औरह अपने को बाजारवादी अर्थव्यवस्था के रूप में लिए जाने का दावा कर सकती हैं।

(xv) यह निर्धारित करने के उपरान्त कि देश एक गैर-बाजारवादी अर्थव्यवस्था है, निर्दिष्ट प्राधिकारी, सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए अनुबंध-I के पैराग्राफ-7 का अनुपालन करेंगे जो निम्नप्रकार से है:

" गैर-बाजारवादी अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयात दिए जाने के मामलों में सामान्य मूल्य, किसी तीसरे देश की बाजारवादी अर्थव्यवस्था में मूल्य अथवा निर्मित मूल्य अथवा भारत सहित किन्हीं अन्य देशों को इस प्रकार के तीसरे देश से प्राप्त होने वाले मूल्य के आधार पर निर्धारित किया जाएगा अथवा उन मामलों में जहाँ किसी अन्य औचित्यपूर्ण आधार पर ऐसा करना संभव नहीं है, समान उत्पाद के लिए भारत में वास्तव में अदा किए गए अथवा अदा किए जाने वाले मूल्य सहित यदि आवश्यक हो एक उचित लाभ मर्जिन को उचित तौर पर समझन किया जाए।

(ड.) क्षति

- (i) घरेलू उद्योग का उत्पादन, बिक्री और क्षमता उपयोग जिसमें 2000-01 तक वृद्धि हो रही थी, उसमें 2001-02 और जांचाधीन अवधि के दौरान कमी आई है। बिक्री और उत्पादन में आई इस कमी के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को क्षति हुई है। घरेलू उद्योग की बिक्री में कमी आई है क्योंकि चीनी माल घरेलू उद्योग से न केवल भारतीय बाजार अपितु अन्य देशों में भी प्रतिस्पर्धा कर रहा है।
- (ii) इन आयातों का मूल्य इतना कम रखा गया है कि आयातों का पंहुच मूल्य, घरेलू उद्योग के बिक्री मूल्य से काफी कम होता है। पाटित आयातों के परिणामस्वरूप, घरेलू उद्योग को मूल्यों में भारी कमी करनी पड़ रही है।
- (iii) पाटित आयातों का पंहुच मूल्य, घरेलू उद्योग के उत्पादन की लागत से काफी कम है, जिसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को मूल्य में भारी कमी का सामना करना पड़ता है।
- (iv) घरेलू उद्योग के स्टॉक में 2001-02 से वृद्धि होनी शुरू हुई और इसमें चीनी निर्यातों से पाटन के कारण अप्रैल, 02 - जून, 02 में और महत्वपूर्ण वृद्धि हुई। घरेलू उद्योग, आयातों के मूल्यों में कमी नहीं कर पाया। इसके परिणामस्वरूप, बिक्री में कमी आने के कारण स्टॉक में वृद्धि हुई है।
- (v) घरेलू उद्योग की लाभदेयता में सुधार नहीं हुआ है। उद्योग को अपने निवेशों पर उचित प्रतिफल प्राप्त नहीं हो रहा है, जो उद्योग के अस्तित्व के लिए आवश्यक है।
- (vi) घरेलू उद्योग के रोजगार स्तर में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं हुआ है। यदि उद्योग को कम दामों पर बिक्री करनी और बिक्री की मात्रा की हानि होनी जारी रहती है तो घरेलू उद्योग को रोजगार स्तर में कमी करने पर बाध्य होना पड़ेगा।

- (vii) घरेलू उद्योग को बिक्री की काफी हानि हुई है जो बात बाजार के बढ़ते हुए आकार और बिक्री की घटती हुई मात्रा से स्पष्ट है ।
- (viii) यद्यपि उत्पाद के लिए मांग में वृद्धि हुई है तथापि आयातों में महत्वपूर्ण वृद्धि होने के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा में कमी आई है ।
- (ix) घरेलू उद्योग के निवेश पर प्रतिफल नकारात्मक है । इसके अलावा, घरेलू उद्योग, निवेश उचित प्रतिफल अर्जित करने में समर्थ नहीं हो पाया है ।
- (x) उत्पादन और बिक्री मात्रा में कमी आने के कारण घरेलू उद्योग की उत्पादकता में कमी आई है ।
- (xi) आयातों से घरेलू उद्योग के नकदी प्रवाह पर प्रतिकूल रूप से प्रभाव पड़ रहा है क्योंकि घरेलू उद्योग अपने निवेश पर पर्याप्त प्रतिफल सृजित करने में सफल नहीं हो पाया है ।
- (xii) घरेलू उद्योग को नये निवेशों की योजना बनाने में कठिनाई महसूस हो रही है ।
- (xiii) इस प्रकार यह देखा जा सकता है कि मापन टेपों के पाटित घरेलू उद्योग को गम्भीर भौतिक क्षति पहुंचा रहे हैं । घरेलू उद्योग को क्षति जारी रहती है,
1. अन्य देशों से आयात या तो न्यूनतम होते हैं अथवा उच्चतर मूल्यों पर होते हैं । अन्य देशों से होने वाले आयात घरेलू उद्योग को क्षति नहीं पहुंचा रहे हैं ।
 2. मापन टेपों के लिए मांग में वृद्धि हो रही है । अतः मांग में संभावित कमी, घरेलू उद्योग होने वाली क्षति के लिए कारण नहीं है ।

3. याचिकाकर्ताओं द्वारा अपनाई गई तथा संबद्ध देश के उत्पादकों द्वारा अपनायी गई प्रौद्योगिकी में कोई अंतर नहीं है। घरेलू उद्योग तब तक आयातों के साथ प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम है जब तक उक्त आयात पाटित कीमतों पर नहीं होते हैं। प्रौद्योगिकी में कोई वास्तविक परिवर्तन नहीं है। अन्य देशों को चीन से पाटित निर्यातों के कारण भी घरेलू उद्योग के निर्यात निष्पादन में गिरावट आई है। घरेलू उद्योग की वर्तमान स्थिति के लिए अन्य तथ्य जैसे व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार भी संभव कारण नहीं हैं।

2. आयातक/उपयोगकर्ता के विचार

किसी भी आयातक/उपयोगकर्ता ने जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना का प्रत्युत्तर नहीं दिया है।

3. निर्यातक के विचार

किसी भी निर्यातक ने जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना का प्रत्युत्तर नहीं दिया है।

ग. प्राधिकारी द्वारा जांच

निर्यातक तथा याचिकाकर्ता द्वारा किए गए उपरोक्त निवेदनों पर उस सीमा तक विचार किया गया है जहां तक वे नियमों के अनुसार संगत हैं और जहां तक वे इस मामले पर प्रभाव डालते हैं तथा जहां उचित समझा गया है, इन जांच परिणामों में उन पर कार्रवाई की गयी है।

1. विचाराधीन उत्पाद:

विचाराधीन उत्पाद " मापन फीता " है इसके भाग और संघटक आदि, इस्पात के सभी प्रकार के मापन और फाइबर ग्लास के फीते और उनके भाग अथवा संघटक मौजूदा याचिका की विषयवस्तु हैं। इसका प्रयोग सामान्यतः किसी वस्तु की लम्बाई, चौड़ाई आदि नापने के लिए किया जाता है। इसका प्रयोग फोरेमैन, मिस्त्री, बढ़ई, वानिकी विभागों और दर्जियों आदि द्वारा किया जाता है। मापन फीते टेम्पर किए गए उच्च गुणवत्ता वाले कार्बन स्टील ब्लेड से विनिर्मित होते हैं तथा संक्षारण और जंग से बचाने के लिए विशेष इनेमल से फासफेटेड और लेपित किया जाता है। मापन फीते का प्रयोग निम्नलिखित के लिए किया जाता है :-

क. अत्यधिक यथार्थमापी व्यावसायिक कार्य ;

ख. किसी वस्तु की गहराई, चौड़ाई अथवा लम्बाई नापने के लिए ;

ग. संक्षेपण और सर्वेक्षण

तकनीकी शब्दों में मापन फीतों को फीते की लम्बाई और चौड़ाई, इसमें प्रयोग होने वाला कच्चा माल स्टील अथवा फाइबर ग्लास और अंततः यथार्थमापन, जिसके लिए आयामों को फीते पर अंकित किया जाता है, के संबंध में परिभाषित किया जाता है। सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय 90 के उपशीर्ष 9017, 9017.80, 9017.8001, 9017.90 के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है। याचिकाकर्ता ने कहा है कि संबंधित वस्तुएं उपर्युक्त उपशीर्षों के अंतर्गत आयात की जा रही हैं। सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है तथा जांच के क्षेत्र पर बाध्यकारी नहीं है। प्राधिकारी ने नोट किया कि जांच में सभी प्रकार के स्टील मापन और फाइबर ग्लास के फीते तथा उनके भाग और घटक शामिल हैं तथा ये जांच की विषय वस्तु हैं। प्राधिकारी ने पाटन मार्जिन के उद्देश्य हेतु केवल किग्रा आधार पर उपयुक्त तुलना की है।¹

2. समान वस्तु

भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु तथा चीन जन० गण० से आयातित वस्तु में कोई ज्ञात अंतर नहीं है। भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु तथा चीन जन० गण० से आयातित वस्तु उत्पाद विशिष्टताएं, विनिर्माण प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी, कार्य और उपयोग, कीमत, वितरण एवं विपणन तथा वस्तुओं के टैरिफ वर्गीकरण जैसी विशेषताओं के संबंध में तुलनीय है। यह दोनों तकनीकी एवं वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं। उपरोक्त इनका एक दूसरे के स्थान पर प्रयोग कर रहे हैं। याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित तथा चीन जन० गण० से आयातित संबद्ध मापन फीतों को पाटनरोधी नियमों के अनुसार समान वस्तु के रूप में माना जाना चाहिए।

घरेलू उद्योग द्वारा अपनाई गई प्रौद्योगिकी तथा चीन के विनिर्माताओं की प्रौद्योगिकी में कोई ज्ञात अंतर नहीं है। घरेलू उद्योग द्वारा अपनाई गई प्रौद्योगिकी की तुलना चीन के विनिर्माताओं द्वारा अपनाई गई प्रौद्योगिकी से की जा सकती है तथापि प्रत्येक विनिर्माता आवश्यकताओं और उपलब्ध सुविधाओं के आधार पर अपनी निर्माण प्रक्रिया को उन्नत बनाता है।

अतः प्रारंभिक निर्धारण के प्रयोजनार्थ अंतिम निर्धारण होने तक प्राधिकारी यह मानते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तुएं तथा संबद्ध देश से निर्यातित वस्तुएं नियम 2(घ) के अर्थों के भीतर समान वस्तुएं हैं।

3. घरेलू उद्योग

i) यह याचिका घरेलू उद्योग का प्रतिनिधित्व करते हुए एफएमआईलि0, लुधियाना तथा प्रीमेनस मेज़र्स लि0 लुधियाना द्वारा संयुक्त रूप से दायर की गई है। याचिकाकर्ता कंपनियों का संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन का 90 % हिस्सा बनता है।

ii) प्राधिकारी ने नोट किया है कि याचिकाकर्ताओं का कुल घरेलू उत्पादन में 50 % से अधिक का हिस्सा है और इसलिए उनके पास पाटनरोधी नियमावली के नियम 5(3) (क) और (ख) के अनुसार घरेलू उद्योग की ओर से याचिका दायर करने का आधार है तथा वे नियम 2(ख) के अनुसार घरेलू उद्योग का प्रतिनिधित्व भी करते हैं।

4. सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत

धारा 9क(1)(ग) के अंतर्गत किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का अर्थ है:

(i) सामान्य व्यापार के दौरान समान वस्तुओं के लिए उप-धारा (6) के अंतर्गत बने नियमों के अनुसार यथानिश्चित तुलनात्मक मूल्य जबकि ऐसी वस्तु निर्यातक देश या क्षेत्र में उपभोग के लिए आशयित हो, या

(ii) जहां निर्यातक देश या क्षेत्र के स्वदेशी बाजार में सामान्य व्यापार के दौरान समान वस्तु की कोई बिक्री नहीं हो या विशेष बाजार दशा के कारण अथवा निर्यातक देश या क्षेत्र के स्वदेशी बाजार में बिक्रियों की कम मात्रा के कारण, ऐसी बिक्रियों की समुचित तुलना नहीं हो सकती हो, तो सामान्य मूल्य या तो:-

(क) निर्यातक देश या क्षेत्र से या किसी उचित तीसरे देश से आयात किये जाने पर समान वस्तु का उपधारा (6) के अंतर्गत बने नियमों के अनुसार यथानिश्चित तुलनात्मक प्रतिनिधि मूल्य ; या

(ख) उपधारा (6) के अंतर्गत बने नियमों के अनुसार यथानिश्चित प्रशासनिक बिक्री और सामान्य लागतों एवं लाभों के लिए उचित वृद्धि के साथ वस्तु मूल के देश में उक्त वस्तु के उत्पादन लागत ;

बशर्ते कि वस्तु का आयात जब मूलता के देश से भिन्न अन्य किसी देश से किया गया हो तथा जहां वस्तु निर्यात के देश से केवल गुजरी हो या ऐसी वस्तु निर्यात के देश में उत्पादित नहीं होती हो या निर्यात के देश में उसका कोई तुलनात्मक मूल्य नहीं हो तो इसके सामान्य मूल्य का निर्धारण मूलता के देश में इसके मूल्य के संदर्भ में किया जाएगा।

प्राधिकारी ने पाटन रोधी नियमावली के अंतर्गत गैर बाजार अर्थव्यवस्था के मामले के संबंध में पाटनरोधी विषय पर विभिन्न सीमाशुल्क अधिसूचनाओं दिनांक 15 जुलाई 1999 की सं० 44/99/(एन टी), दिनांक 31 मई 2001 की सं० 28/2001 (एन टी) तथा दिनांक 4 जनवरी 2002 की सं० 1/2001/(एन टी) को भी नोट किया है।

सामान्य मूल्य और कारखाना निर्यात कीमत निर्धारण नीचे दिया गया है।

क. सामान्य मूल्य

- (i) निर्दिष्ट प्राधिकारी ने चीन के ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों और भारत में संबद्ध देश के दूतावास को प्रश्नावलियां भेजी।
- (ii) प्राधिकारी ने नोट किया कि जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना में जांच के उद्देश्य हेतु प्राधिकारी द्वारा भेजी गई प्रश्नावली का चीन जन.गण. के किसी भी निर्यातक ने प्रत्युत्तर नहीं दिया है। इस असहयोग को देखते हुए प्राधिकारी याचिकाकर्ताओं के इस दावे का समर्थन करते हैं कि ऐसे उत्पादकों/निर्यातकों पर गैर-बाजार सिद्धांत के आधार पर विचार किया जाना चाहिए क्योंकि याचिकाकर्ता द्वारा दावा किए गए गैर बाजार अर्थव्यवस्था का किसी भी निर्यातक ने खंडन नहीं किया है। प्राधिकारी ने नोट किया कि याचिकाकर्ता ने विभिन्न जांच परिणामों के आधार पर चीन जन.गण. के संबंध में गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में दावा किया है। अतः प्राधिकारी ने गैर बाजार अर्थव्यवस्था के मुद्दे का निर्यातक द्वारा खंडन न किए जाने तथा इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि संबद्ध वस्तुओं की उत्पादन लागत निर्यातक द्वारा उपलब्ध नहीं कराई गई है, और इस प्रकार प्राधिकारी को व्यापार जांच की सामान्य प्रक्रिया लागू करने की अनुमति नहीं है, पाटनरोधी नियमों के अनुसार रिकार्ड में उपलब्ध सर्वोत्तम सूचना के अनुसार उचित समायोजनों के साथ परिकल्पित उत्पादन लागत के आधार पर स्टील मापन फीतों और फाइबर ग्लास के मापन फीतों, दोनों के लिए अलग अलग सामान्य मूल्य का संदर्भ लिया है।
- (iii) प्राधिकारी ने अंतिम निर्धारण होने तक प्रारंभिक निर्धारण के प्रयोजनार्थ ऐसे उत्पादकों/निर्यातकों के लिए स्टील मापन फीतों के लिए **** डालर/किग्रा के सामान्य मूल्य तथा फाइबर ग्लास के मापन फीतों के लिए **** डालर/किग्रा के सामान्य मूल्य का संदर्भ लिया है।

ख. निर्यात कीमत

- (i) प्राधिकारी ने नोट किया कि स्टील मापन फीतों और फाइबर ग्लास के मापन फीतों दोनों के लिए वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय कोलकाता द्वारा संकलित आंकड़ों के आधार पर अलग अलग निर्यात कीमत निर्धारित की गई है। चूंकि निर्यातकों से कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है इसलिए याचिकाकर्ताओं द्वारा प्रदान किए गए अनुसार समुद्री भाड़े, समुद्री बीमा, कमीशन, अंतर्देशीय भाड़े तथा पत्तन व्यय के लिए क्रमशः *** डालर/किग्रा, *** डालर/किग्रा, *** डालर/किग्रा, *** डालर/किग्रा तथा *** डालर/किग्रा का समायोजन किया गया है।
- (ii) अंतिम निर्धारण होने तक प्रारंभिक निर्धारण के उद्देश्य हेतु स्टील मापन फीतों के लिए कारखाना निर्यात कीमत का **** डालर/किग्रा तथा फाइबर ग्लास मापन फीतों के लिए कारखानागत निर्यात कीमत का *** डालर/किग्रा के रूप में संदर्भ लिया गया है।

5. पाटन- सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत की तुलना

तुलना से संबंधित नियम में निम्नानुसार व्यवस्था की गई है:-

“पाटन मार्जिन निकालते समय निर्दिष्ट प्राधिकारी निर्यात कीमत और सामान्य मूल्य के बीच उचित तुलना करेगा। यह तुलना व्यापार के समान स्तर पर सामान्यतः कारखाना द्वार स्तर पर की जाएगी और यथासंभव उसी समयावधि के दौरान की गई बिक्रियों के संबंध में की जाएगी जो अंतर तुलनीयता पर प्रभाव डालते हैं, उनके लिए प्रत्येक मामले में गुण दोष के आधार पर समुचित छूट दी जाएगी। उक्त अंतर में शामिल है- बिक्री की शर्तें, कसधान, व्यापार के स्तर, वास्तविक विशेषताएं तथा अन्य ऐसे अंतर जो कीमत तुलनीयता को प्रभावित करने के लिए प्रदर्शित किए जाते हैं”।

प्राधिकारी ने संबद्ध देश के सभी निर्यातकों/उत्पादकों हेतु पाटन मार्जिन निर्धारित करने के लिए भारत औसत सामान्य मूल्य की तुलना जांच अवधि में भारत औसत कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत के साथ की है।

निर्यातक/उत्पादकों के लिए पाटन मार्जिन निम्नानुसार बनता है:-

क्र.सं.	देश/निर्यातक/उत्पादक	सामान्य मूल्य (डालर/किग्रा)	कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत (डालर/किग्रा)	निर्यात की कीमत के % के रूप में पाटन मार्जिन
1	चीन जन.गण.			
	(स्टील टेप)	****	****	1069%
	(फाइबर ग्लास टेप)	****	****	148%

6. क्षति तथा कारणात्मक संबंध

उपरोक्त नियम 11, अनुबंध-II के तहत क्षति के बारे में किसी निष्कर्ष पहुंचा जाता है तो इस प्रकार निष्कर्ष में “..... पाटित आयातों की मात्रा, घरेलू बाजार में समान वस्तु की कीमतों पर उनके प्रभाव, तथा इस प्रकार उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के परिणामी प्रभाव सहित सभी संगत तथ्यों पर विचार करते हुए घरेलू उद्योग को हुई क्षति का निर्धारण शामिल होगा”। कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते समय यह जांच करना आवश्यक समझा जाता है कि पाटित आयातों के कारण भारत में समान वस्तुओं की कीमत की तुलना में कीमत में कोई उल्लेखनीय गिरावट आई है अथवा क्या इस प्रकार के आयातों से कीमतों में अन्यथा उल्लेखनीय स्तर तक गिरावट आई है, अथवा कीमत वृद्धि में अन्यथा रूकावट आई है जो कि अन्यथा उल्लेखनीय स्तर तक बढ़ गई होती।

- (i) भारत में घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच करने के लिए प्राधिकारी ने उक्त नियमावली के अनुबंध-II(IV) के अनुसार ऐसे संकेतकों पर विचार किया है जो उद्योग की

स्थिति पर प्रभाव डालते हों जैसे उत्पादन, क्षमता उपयोग, स्टॉक बिक्री मात्रा, लाभप्रदता, निवल बिक्री, पाटन की मात्रा एवं मार्जिन इत्यादि।

(ii) प्राधिकारी ने उन घरेलू उत्पादकों के मामले में जिन्होंने प्रारंभ में याचिका का समर्थन किया था, निम्नलिखित आर्थिक मापदंडों को नोट किया है तथा उन्हें स्वीकार किया है:

	1999-2000 (किग्रा)	2000-2001 (किग्रा)	2001-2002 (किग्रा)	जांच अवधि (किग्रा)	वार्षिक(किग्रा)
आयात					
चीन	100283	81228	261117	342382	273906
अन्य देश	1021	4790	156	533	426
आयात में बाजार हिस्सा					
संबद्ध देश (%)	99	94	99.94	99.54	99.84
घरेलू उद्योग के आर्थिक मापदंड (किग्रा)					
क्षमता	989550	989550	989550	1236938	989550
उत्पादन	671833	635367	603589	760429	608343
क्षमता उपयोग(%)	67.89	64.21	61	61.48	61.48
घरेलू बिक्री	480868.76	508113.9	515880	638394.6	510715
अंतिम स्टॉक	15044.35	10153.67	8571.67	23548.93	23548.93
उत्पादन की यूनिट लागत(रू.किग्रा)	****	****	****	****	****
यूनिट बिक्री कीमत (रू./किग्रा)	****	****	****	****	****
यूनिट लाभ/हानि (किग्रा)	***	****	****	****	****
मांग(किग्रा)	736076	750190	965056	1216189	972951
मांग में बाजार हिस्सा(%)					
आयात	13.76	11.47	27.08	32.51	28.19
संबद्ध देश	13.62	10.83	27.06	32.36	28.15
अन्य देश	0.14	0.64	0.02	0.04	0.04
घरेलू उद्योग	65.33	67.73	53.46	52.49	52.49
भारतीय उद्योग	20.91	20.80	19.47	19.31	19.31
घरेलू उद्योग के उत्पादन के संबंध में आयात(%)	15	14	43	45	45
रोजगार	829	732	682	676	676
प्रति दिन उत्पादन	2195.53	2096.3	1972.51	1968	1968

(iii) संबद्ध देशों से मापन फीतों के आयातों में (i) समग्र रूप से (ii) उत्पादन के संबंध में, तथा (iii) भारत में खपत के संबंध में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। जबकि आयात प्रथमतः केवल संबद्ध देश से ही हुआ है फिर भी जांच अवधि में भारत में मांग के संबंध में चीन से हुए आयात के हिस्से में भारी वृद्धि हुई है।

(iv) जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के उत्पादन तथा क्षमता उपयोग में कमी आई है। उत्पादन तथा क्षमता उपयोग में यह गिरावट इस तथ्य के बावजूद है कि एक याचिकाकर्ता कंपनी संबद्ध वस्तुओं के वाणिज्यिक उत्पादन के अनुसार बहुत पुरानी नहीं है।

(v) दोनों याचिकाकर्ता कंपनियां प्रचलित बाजार स्थितियों के आधार पर अनुकूलतम कीमत का निर्धारण करती हैं। बाजार कीमतों का निर्धारण पाटित आयातों की कम कीमतों द्वारा किया गया था क्योंकि 2000-01 में पाटित आयातों का हिस्सा 94% से बढ़कर 2001-02 में 99.4% हो गया है उपलब्ध रिकार्ड के आधार पर घरेलू कीमतों पर किसी अन्य कारक का प्रभाव मालूम नहीं होता।

(vi) घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री मात्रा में हालांकि बहुत मामूली वृद्धि हुई है, परंतु बिक्री कीमत कम हो गई है। इसके अतिरिक्त, पाटित आयातों के स्तर पर आने के लिए घरेलू उद्योग निम्नलिखित कारणों से अपनी बिक्री कीमतें कम नहीं कर सका:-

(क) मापनफीते उपभोक्ता उत्पाद हैं जिसे मूलतः खुदरा स्तर पर बेचा जाता है। सीधे उपभोक्ताओं को मुश्किल से बड़ी मात्रा में कोई बिक्री होती है।

(ख) उपभोक्ता में मुख्यतः ऐसे व्यक्ति शामिल हैं जो ज्यादा पढ़े लिखे नहीं हैं।

(ग) घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत तथा बिक्री कीमत की तुलना में आयातों की पहुंच कीमत इतनी कम है, कि घरेलू उद्योग आयातित फीतों की कीमतों के अनुरूप अपनी कीमतों को कम करने के बारे में सोच भी नहीं सकता।

(घ) परिस्थिति के मद्देनजर घरेलू उद्योग के पास दो विकल्प थे या तो कीमतों को समान रखे अथवा बिक्री गंवा दे। निर्यातों की पहुंच कीमत तथा उत्पादन लागत या बिक्री कीमत में उल्लेखनीय अंतर है। पहुंच कीमत की समानता करना और कुछ नहीं अपितु असंभव है। इसलिए घरेलू उद्योग का बाजार खतम हो रहा है।

(vii) उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए घरेलू उद्योग पाटित आयातों के साथ समानता रखने के लिए बिक्री कीमतें कम नहीं कर सका।

(viii) जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की भंडार सूची 10153.67 किग्रा से काफी बढ़कर 23548.93 किग्रा हो गई।

(ix) यह देखा गया है कि संबद्ध देश द्वारा पाटन से संबद्ध वस्तु के लिए घरेलू उद्योग की निवल बिक्री वसूली पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा है। याचिकाकर्ता ने अपना बाजार हिस्सा बनाए रखने के लिए संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु की कम कीमत और पाटित आयातों के साथ प्रतिस्पर्धा करनी पड़ी थी। पाटित आयातों की पहुंच कीमत मूल्य में कटौती के साक्ष्य का संकेत करती है।

(x) प्राधिकारी ने नोट किया कि चीन से पाटित आयातों की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत से कम थी जिसके फलस्वरूप कीमतों की अवरुद्ध मंदी हो रही थी।

(xi) घरेलू उद्योग के रोजगार स्तर में गिरावट आई है।

(xii) घरेलू उद्योग की उत्पादकता कर्मचारियों की संख्या में हुई कमी के कारण बढ़ी है। यह भी देखा गया है कि प्रति कर्मचारी उत्पादन बढ़ गया है परन्तु दैनिक उत्पादन में अत्यधिक कमी आई है।

(xiii) वर्ष 2000-01 में उद्योग के नकद लाभ में वृद्धि हुई थी तथा जांच अवधि के दौरान इसमें कमी आ गई थी।

(xiv) उत्पाद के लिए मांग बढ़ गई है। तथापि, घरेलू उद्योग के विकास में उल्लेखनीय रूप से कमी आई है। देश में काफी मांग होने के बावजूद आयात घरेलू उद्योग के विकास का समाप्त कर रहे हैं। इस तरह की स्थिति में घरेलू उद्योग के लिए यह कठिन होगा कि वे नवीन निवेशों की योजना बना सकें।

(xv) प्राधिकारी नोट करते हैं कि सभी संगत कारक संचयी व सामूहिक रूप से यह सिद्ध करते हैं कि घरेलू उद्योग को पाटित आयातों के कारण जांच अवधि के दौरान वास्तविक क्षति हुई है।

7. कारणात्मक संबंध

चीन के निर्यातकों द्वारा मापनफीतों के पाटन के कारण घरेलू उद्योग को क्षति हो रही है।

कुल खपत में पाटित आयातों की मात्रा का हिस्सा वर्ष 2000-01 में 10.83% से बढ़कर जांच अवधि में 28.15% हो गया है। घरेलू उद्योग का बाजार का हिस्सा वर्ष 2000-01 में 67.73% से कम होकर जांच अवधि में 52.49% रह गया है। पाटित आयात भारत में ऐसी कीमत पर आ रहे थे जिनकी वजह से समान घरेलू उत्पाद की कीमतों में काफी कटौती करनी पड़ी। पाटित आयातों की कीमतों की वजह से समान घरेलू उत्पादों की कीमतें अवरुद्ध और कम हुई। इस प्रकार मात्रा व कीमत संबंधी दोनों प्रभाव सिद्ध हो जाते हैं।

मांग में कमी नहीं हुई (अपितु मांग बढ़ गई है)। इसके अतिरिक्त ऐसा अन्य कोई कारण नहीं है जैसे कि व्यापार प्रतिबंधक प्रथा या प्रौद्योगिकी में विकास, जिनके कारण घरेलू उद्योग को क्षति हुई हो। आयातों में समग्र रूप से वृद्धि, जो भारत में उत्पादन तथा खपत से संबंध रखती है, के परिणामस्वरूप बिक्री में प्रत्यक्ष वृद्धि हुई है जिसके फलस्वरूप देश में घरेलू उत्पाद की मांग में घरेलू उद्योग के हिस्से में गिरावट आई है। इसके अतिरिक्त पाटन की कम कीमतों से घरेलू उद्योग अपनी इष्टतम लाभ प्रदता से वंचित हुआ है।

8. भारतीय उद्योग के हित एवं अन्य मामले

प्राधिकारी का मानना है कि पाटनरोधी शुल्क का प्रयोजन सामान्यतः पाटन की अनुचित व्यापार प्रथाओं द्वारा घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करना है ताकि भारतीय बाजार में खुली व उचित प्रतियोगिता की स्थिति को पुनः स्थापित किया जा सके जो कि देश के सामान्य हित में है।

प्राधिकारी यह भी मानते हैं कि यद्यपि पाटनरोधी शुल्क लगाने से संबद्ध वस्तुओं का इस्तेमाल करके बनाए जाने वाले उत्पादों के कीमत स्तरों को प्रभावित कर सकता है और उसके परिणामस्वरूप इन उत्पादों की संबंधित प्रतिस्पर्धा पर प्रभाव डाल सकता है। तथापि इन पाटनरोधी उपायों से भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा कम नहीं होगी। इसके विपरीत पाटनरोधी उपायों के किए जाने से पाटन प्रथाओं द्वारा प्राप्त अनुचित लाभों को हटाया जाएगा तथा घरेलू उद्योग का पतन रुकेगा और उपभोक्ताओं को संबद्ध वस्तुओं के अधिक विकल्प उपलब्ध करवाने में मदद मिलेगी पाटनरोधी उपायों को किए जाने से संबद्ध देशों से आयात किसी भी रूप में प्रतिबंधित भी नहीं होंगे इसलिए उपभोक्ताओं की उत्पादों की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी।

9. पहुंच मूल्य

इस प्रयोजनार्थ आयातों का पहुंच मूल्य सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1962 के अधीन सीमाशुल्क द्वारा यथा निर्धारित आकलन योग्य मूल्य होगा और उसमें सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 की धारा 3, 3क, 8ख, 9 और 9क के जहत लगाए गए शुल्कों को छोड़कर सीमाशुल्क के सभी स्तरों पर लागू होगा।

घ. निष्कर्ष

पूर्वोक्त पर विचार करने के बाद यह मामूल होता है कि:-

- (क) संबद्ध देश के मूल या वहां से निर्यातित सभी प्रकार की संबद्ध वस्तुओं का इनके सामान्य मूल्य से कम कीमत पर भारत को निर्यात किया गया।
- (ख) घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।
- (ग) संबद्ध देश के मूल या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के पाटन के कारण घरेलू उद्योग को क्षति हुई है।
- (घ) आयातों के कारण घरेलू उत्पाद की कीमतों में काफी कटौती हुई जिसके कारण घरेलू उद्योग को अलाभकारी कीमतों पर उत्पाद बेचने के लिए बाध्य होना पड़ा।
- (ङ.) प्राधिकारी संबद्ध देश के मूल या वहां से निर्यातित अध्याय 90 के अंतर्गत आने वाली संबद्ध वस्तुओं के आयात पर पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं।

(च) पाटन के कारण घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति को दूर करने के लिए पाटन मार्जिन के बराबर का पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश पर विचार किया गया था। तदनुसार, केन्द्र सरकार द्वारा चीन गणराज्य के मूल या वहां से निर्यातित स्टील तथा फाइबर ग्लास मापन फीतों की सभी किस्मों, उनके हिस्से पुर्जों तथा घटकों इत्यादि पर अंतिम निर्धारण होने तक सीमाशुल्क टैरिफ के अध्याय 90 सीमाशुल्क उपशीर्ष 9017, 9017.80, 9017.8001, 9017.90 के अंतर्गत निम्न तालिका के कालम 3 की राशि तथा संबद्ध वस्तुओं के पहुंच मूल्य के बराबर अमेरिकी डालर/किग्रा में अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने का प्रस्ताव है।

1	2	3
क्र.सं.	देश/निर्यातक/उत्पादक	राशि (अमरीकी डालर/किग्रा)
1	चीन जनवादी गणराज्य	
	(स्टील फीते तथा उनके हिस्से पुर्जे एवं घटक)	4.106
	(फाइबर ग्लास फीते तथा उनके हिस्से पुर्जे एवं घटक)	4.775

ड. भावी प्रक्रिया

प्रारंभिक जांच परिणामों को अधिसूचित करने के पश्चात निम्नलिखित प्रक्रिया का अनुसरण किया जाएगा:-

- क. प्राधिकारी इन जांच परिणामों के संबंध में सभी हितबद्ध पक्षकारों से उनकी टिप्पणियां आमंत्रित करते हैं तथा अंतिम जांच परिणामों में उन पर विचार किया जाएगा।
- ख. उन सभी निर्यातकों आयातकों, याचिकाकर्ता तथा हितबद्ध पक्षकारों जिनकी इससे संबंधित होने की जानकारी है, को प्राधिकारी द्वारा अलग से पत्र लिखे जा रहे हैं तथा वे इस पत्र के प्रेषण से 40 दिनों के अंदर अपने विचारों से अवगत करा सकते हैं। कोई अन्य हितबद्ध पक्षकार भी इन जांच परिणामों के प्रकाशन के 40 दिनों के भीतर अपने विचारों की जानकारी दे सकता है।
- ग. प्राधिकारी द्वारा आवश्यक समझी गई सीमा तक जांच की जाएगी।
- घ. मौखिक निवेदनों के लिए प्राधिकारी सभी हितबद्ध पक्षकारों को अवसर प्रदान करेगा जिसके लिए सभी ज्ञात हितबद्ध पक्षकारों को तारीख एवं समय अलग से सूचित किया जाएगा।
- ड. अंतिम जांच परिणामों की घोषणा करने से पहले प्राधिकारी आवश्यक तथ्यों को प्रकट करेंगे।

एल. बी. सप्तऋषि, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**(Department of Commerce)****(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 31st January, 2003

Preliminary Findings**Sub : Anti-Dumping Investigation concerning Imports of Measuring Tapes from China PR.**

No. 14/31/2002-DGAD.—Having regard to the Customs Tariff Act 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, thereof:

A. PROCEDURE

1. The procedure described below has been followed with regard to the investigation:
 - i) The Designated Authority (hereinafter referred to as Authority), under the above Rules, received a written application from M/s FMI Limited, Ludhiana and M/s. Freemans Measures Ltd., Ludhiana, on behalf of the domestic industry, alleging dumping of Measuring Tapes originating in or exported from China PR (hereinafter referred to as subject country).

- ii) Preliminary scrutiny of the application filed by the petitioner revealed certain deficiencies, which were subsequently rectified by the petitioner. The petition was, therefore, considered as properly documented.
- iii) The Authority on the basis of sufficient evidence submitted by the petitioner decided to initiate the investigation against imports of subject goods from China PR. The authority notified the Embassy of China PR in New Delhi about the receipt of dumping allegation before proceeding to initiate the investigation in accordance with sub-Rule 5(5) of the Rules.
- iv) The Authority issued a public notice dated 20.10.2002 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating Anti-Dumping investigations concerning imports of the subject goods classified under custom Code 9017 of Schedule I of the Customs Tariff Act, 1975 originating in or exported from China PR.
- v) The Authority forwarded a copy of the public notice to the known exporter (whose details were made available by petitioner) and gave them an opportunity to make their views known in writing within forty days from the date of the letter in accordance with the Rule 6(2):
- vi) The Authority forwarded a copy of the public notice to all the known importers (whose details were made available by petitioner) of subject goods in India and advised them to make their views known in writing within forty days from the date of issue of the letter in accordance with the Rule 6(2).

- vii) Request was made to the Central Board of Excise and Customs (CBEC) and DGCI&S, Kolkata to arrange details of imports of subject goods made in India during the past three years, including the period of investigation.
- viii) The Authority provided a copy of the petition to the known exporter and the Embassy of the subject country in accordance with Rules 6(3) supra. A copy of the non-confidential petition was also provided to other interested parties, wherever requested.
- ix) The Authority sent a questionnaire to elicit relevant information to the following known exporters/producers, in accordance with the Rule 6(4):
 - 1. NANGBO LAND TOOLS & MEASURING TOOLS COMPANY LIMITED
No. 60, Chengjiao Road
Yuyao City, Zhejiang
 - 2. NINGBO HONGDI MEASURING TAPE INDUSTRY COMPANY
Xijiao Village Yuyao, ningbo
China
 - 3. TOP-LONG INDUSTRIAL COMPANY LTD.,
826, Sec, 2, chung-San-Rd.
Tai-shan Hsiang,
243 Taipei Hsien, Taiwan - Roc
 - 4. JOHNNY ENTERPRISES COMPANY LTD.,
P.O. Box 26-551
Taipei, Taiwan

5. TAIWAN SAN TYAU COMPANY LTD.,
P.O. Box. 401 Hsin Tien. Taipei
Taiwan San Tyau Company Ltd.,

c) The Embassy of the subject country in New Delhi was informed about the initiation of the investigation in accordance with Rule 6(2) with a request to advise all concerned exporters/producers from their country to respond to the questionnaire within the prescribed time. A copy of the letter, petition and questionnaire sent to the known exporter was also sent to the Embassy of the subject country in accordance with Rule 6(3).

xi) A questionnaire was sent to the following known importers/user associations of the subject goods for necessary information in accordance with Rule 6(4):

1. M/s Lohia Trade Concern, Delhi
2. M/s Vinay Brothers, Mumbai
3. M/s V.K. International, Mumbai

Response/information to the questionnaire/notification was filed by the following exporters/producers:- NIL

Response/information to the questionnaire/notification was filed by any of the Importers/user Associations:- NIL

xii) Information regarding injury was sought from the petitioner(s), which was also furnished by the petitioner. The injury parameters of the following domestic producers were furnished:-

1. M/s FMI Limited, Ludhiana
 2. M/s. Freemans Measures Ltd., Ludhiana
- xiii) The Authority kept available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file maintained by the Authority and kept open for inspection by the interested parties as per Rule 6(7).
- xiv) Cost investigation was also conducted to work out optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) and the information furnished by the petitioner. The cost data of the following domestic producers was provided and analysed:--
1. M/s FMI Limited, Ludhiana
 2. M/s. Freemans Measures Ltd., Ludhiana
- xv) ****In this notification represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.
- xvi) Investigation was carried out for the period starting from 1st April 2001 to 30th June 2002 i.e. the period of investigation (POI).

B. VIEWS OF EXPORTERS, IMPORTERS AND OTHER INTERESTED PARTIES**1. PETITIONER'S VIEWS****a) PRODUCT UNDER CONSIDERATION**

The product under consideration in the present petition is Measuring Tapes, its part and components thereof. Measuring tapes can be of following types:-

1. Steel Tapes,
2. Fiberglass Tapes,
3. Metal wired Tapes.

Steel tapes are broadly divided into two types:-

1. Pocket tapes,
2. Other than pocket tapes

Pocket Tapes can be of 2, 3 or 5 meters, while other tapes are larger than 5 meters. Large tapes can be of 10, 15, 20, 25, 30 meters etc. with different width. While these are the lengths in which it is largely made, tapes can be made in other lengths also.

All types of steel measuring and fiberglass tapes and their parts or components (so long as the imports constitute in effect import of measuring tapes) are the subject matter of the present petition.

Measuring tapes are generally used for measuring the length, breadth, etc. of an object. The same is used in Engineering, by Foreman, Mason, Carpenter, Forestry Deptt. Tailors etc.

Steel Measuring Tapes are manufactured from tempered high quality carbon steel blade, phosphated and coated with special enamel to withstand corrosion & rust.

Measuring Tapes are used in the following:-

- a) high precision professional jobs;
- b) measuring depth, width, or length of an object
- c) contraction and surveys;

As the name suggests, measuring tapes are used to "measure" dimensions. These can be found wherever measurement is required to be taken.

In technical terms the measuring tapes are defined in terms of length and width of a tape, raw material used i.e. steel or fibre glass and, finally precision with which dimensions are marked on the tape. It is classified under Chapter 90 of the Customs Tariff Act under sub-headings 9017, 9017.80, 9017.8001, 9017.90. The petitioner has stated that subject goods are being imported under above mentioned sub-headings. The Custom classification is indicative only and not binding on the scope of investigation.

b) **DOMESTIC INDUSTRY**

The present petition has been jointly filed by FMI Limited, Ludhiana and Freemans Measures Limited, Ludhiana.,

representing the domestic industry. The total domestic production is 608343 Kg. and the petitioner companies constitute 90% of the subject goods production. FMI Limited Ludhiana and Freemans measures Limited, Ludhiana are multi product companies.

c) **LIKE ARTICLE**

- (i) There is no known difference in subject goods produced by the Indian industry and imported from China PR. Subject goods produced by the Indian industry and imported from China PR are comparable in terms of characteristics such as product specifications, manufacturing process & technology, functions & uses, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods. The two are technically and commercially substitutable. The consumers are using the two interchangeably. Subject tapes produced by the petitioners and imported from China PR should be treated as like articles in accordance with the anti dumping Rules.
- (ii) There is no known difference in the technology adopted by the domestic industry and the manufacturers in China. The technology adopted by the domestic industry is comparable to the technology adopted by the manufacturers in China. However, every manufacturer fine-tunes its production process on the basis of necessities and available facilities.

d) **DUMPING**

- (i) In the instant case, China PR is a non-market economy. China has been treated as non-market economy by European Commission and United States in the past three years. European Union and United States are members of World

Trade Organization. In India also, the Designated Authority has treated China as non-market economy.

- (ii) The Designated Authority has treated China as non-market economy in practically all the investigations initiated against China after the amendment dated 31st May 2002. Even after the amendment dated 4th Jan., 02 the Designated Authority have treated China as a non-market economy.
- (iii) With regard to treatment of China as non market economy by other WTO members countries, European Commission in the mater of Ferro molybdenum from China, bicycles from China and non frozen apple juice concentrate by China has treated China as a non market economy.
- (iv) USA has treated China as a non-market economy in the matter of exports of Steel concrete reinforcing bars by China and still treating China as a non-market economy in the matter of anti-dumping investigations concerning imports of Ball Bearing.
- (v) Determination of normal value in China is to be done in accordance to the rules relating to non-market economies. Normal value has been estimated on the basis of cost of production, after addition for selling, general and administrative expenses.
- (vi) The petitioners have been able to get evidence of transaction wise imports information from the subject countries. As stated above the imports are coming in various units such as Nos., PCS, Dozens, Gross, Kg, Meters, PKG, Box, Col., CTN, SET, UNT, etc.

- (vii) The information compiled by the DGCI&S is unreliable for the reasons that (a) all the imports have not taken place in the customs classification meant for measuring tapes; (b) substantial imports have taken place under other classifications such as 90170000, 90171000, 90173001, 9017800, 90178001, 90178009, 90179000 as per information collected from secondary source; and (c) DGCI&S has reported imports in terms of weight and it is not known how DGCI&S has converted (and whether DGCI&S has in fact converted or not) the imports into Kgs.
- (viii) The petitioner submits that the transaction wise secondary data is not appropriate for the purpose of assessment of export price. The petitioner has, therefore, assessed export price on the basis of transaction wise secondary data. Export price has been assessed considering imports of pocket tapes, since pocket tapes constitute major proportion of imports. For the domestic industry also, pocket tapes constitutes major proportion of their production and sales.
- (ix) The producers in China PR are producing Measuring Tapes by using similar technology. Since there are plants with the comparable process in India, Petitioners have adopted the constructed cost of production pertaining to a plant in India having the same process by using consumption norms, for various raw materials comparable to that of the exporter. The normal value for China has been constructed at US\$ ****
- (x) On the basis of the material, available from the secondary sources in the petition the ex-factory export price after considering the adjustments on ocean freight, marine insurance, port expenses, commission and inland freight to

an extent of ****, ****, ****, and****, respectively comes to ****.

- (xi) The dumping margin on the basis of the above constructed normal value and exporting export price comes to 1406.2%.
- (xii) The Government of India has amended para 8 of the Rules on 4th Jan. 2002 which states as under:

"Para 8 of Annexure 1-Amended on 04.01.02

- (a) The term "non market economy country" means any country which the Designated Authority determines as not operating on market principles of cost or pricing structures, so that sales of merchandise in such country do not reflect the fair value of the merchandise, in accordance with the criteria specified in sub paragraph (3)
- (b) There shall be a presumption that any country that has been determined to be, or has been treated as a non-market economy country for the purpose of an anti dumping investigation by the Designated Authority or by the competent authority of any WTO member country during the three year period preceding the investigation is a non-market economy country.
- (c) Provided, however, that a non-market economy country or the concerned firms from such country may rebut such a presumption by providing information and evidence to the Designated Authority that establishes that such country is not a non market economy country on the basis of criteria specified as per Rules.

- (d) The Designated Authority shall consider in each case the following criteria as to whether:
- (i) the decision of concerned firms in such country regarding prices, costs and inputs, including raw materials cost of technology and labour, output sales and investment, are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;
 - (ii) the production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;
 - (iii) such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms, and
 - (iv) the exchange rate conversions are carried out at the market rate;
- (xiii) Provided, however, that where it is shown by sufficient evidence in writing on the basis of the criteria specified in this paragraph that market conditions prevail for one or more such firms subject to anti-dumping investigations, the Designated Authority may apply the principles set out in paragraphs 1 to 6 instead of the principles set out in this paragraph.

(xiv) It is evident from the above that para 8, which was inserted on 31.5.2001 has been amended on 04.02.2002 in the following manner:

- The countries which have been treated by the Designated Authority or any other investigating authorities, who are members of WTO, as non-market economies during last three preceding years can be considered as non market economy.
- Firms, companies in all such countries, may provide relevant information (on market economy) and claim status of market economy treatment.

(xv) After determination that country is a non-market economy. The Designated Authority would follow para 7 of Annexure I for determination of normal value which is as under:

"In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis of the price or constructed value in a market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India, or where it is not possible, on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin."

e) **INJURY**

- (i) Production, sales and capacity utilization of the domestic industry which were increasing till 2000-01 declined in 2001-02 and the POI. This reduction in sales and production resulted in injury to domestic industry. Export

sales of the domestic industry has also declined as Chinese goods are competing with the domestic industry not only in Indian market but in other countries also.

- (ii) The imports are such low priced that the landed price of imports is significantly below the selling price of the domestic industry. Dumped imports are causing severe price undercutting to the domestic industry.
- (iii) Landed value of the dumped imports are significantly below the cost of production of the domestic industry resulting in severe price suppression/depression to the domestic industry.
- (iv) The stocks with the domestic industry started increasing from 2001-02 and further increased significantly in April 02-June 02 due to dumping from Chinese exporters. Domestic industry could not reduce the prices to match the prices of imports. This has resulted in increase in stocks due to reduction in sales, which is more than reduction in production.
- (v) Profitability of the domestic industry has not improved. The industry is not getting reasonable return on its investments, leave aside reasonable return, which is necessary for existence of the Industry.
- (vi) The employment level of the domestic industry has not undergone any significant change. Should the industry continue to face the present undercutting, underselling and loss of sales volumes, the domestic industry would be forced to curtail the employment levels.

- (vii) The domestic industry has lost significant sales which is evident from the increasing market size and reducing sales volumes.
- (viii) Whereas the demand for the product has increased, sales volumes of the domestic industry have declined as a result of significant increase in the imports.
- (ix) Return on investment for the domestic industry is negative. Further, the domestic industry is not able to earn reasonable return on investment.
- (x) The productivity of the domestic industry has declined, given decline in the production and sales volumes.
- (xi) The imports are adversely affecting the cash flow of the domestic industry, as the domestic industry is not able to generate adequate return on its investment.
- (xii) The domestic industry is finding it difficult to plan fresh investments.
- (xiii) It may thus be seen that the dumped imports of Measuring Tapes are causing severe material injury to the domestic industry. The injury to the domestic industry continues,
 - 1. Imports from other countries are either de-minimus or at higher prices. Imports from Other countries are not causing injury to the domestic industry.
 - 2. The demand of Measuring Tapes is increasing. Possible decline in demand is, therefore, not a reason for injury to the domestic industry.

3. There is no difference in the technology adopted by the petitioners and by the producers in the subject country. The domestic industry is able to compete with the imports so long as the same are not at dumped prices. There is no material change in technology. Export performance of the domestic industry has deteriorated due to dumped Chinese exports to other countries also. Other factors such as trade restrictive practices are also not a possible reason for the present state of affairs of the domestic industry.

2. IMPORTER/USER'S VIEW

None of the importers/users responded to the Initiation Notification.

3. EXPORTER'S VIEWS

None of the exporters have responded to the Initiation Notification.

C. EXAMINATION BY AUTHORITY

The foregoing submissions made by the exporter and the petitioner, to the extent these are relevant as per Rules and have a bearing upon the case, have been examined, considered and dealt with at appropriate places in these findings.

1. PRODUCT UNDER CONSIDERATION

The product under consideration is "Measuring Tapes" its parts and components etc., all type of steel measuring and fibre glass tapes and their parts or components are the subject matter of the present petition. It is generally used

for measuring the length, breadth etc. of an object. It is used by foreman, mason, carpainter, forestry departments and tailors etc. Measuring Tapes are manufactured from tempered high quality carbon steel blade, phosphated and coated with special enamel to withstand corrosion and rust. Measuring tapes are used for :-

- a. high precision professional jobs;
- b. measuring depth, width, or length of an object;
- c. contraction and surveys.

In technical terms the measuring tapes are defined in terms of length and width of a tape, raw material used i.e. steel or fibre glass and, finally precision with which dimensions are marked on the tape. It is classified under Chapter 90 of the Customs Tariff Act under sub-headings 9017, 9017.80, 9017.8001, 9017.90. The petitioner has stated that subject goods are being imported under above mentioned sub-headings. The Custom classification is indicative only and not binding on the scope of investigation.

The Authority notes that the investigation covers all types of steel measuring and fibre glass tapes and their parts, components and constitute the subject matter under investigation. The Authority for the purpose of dumping margin has made appropriate comparisons on kg basis only.

2. LIKE ARTICLE

There is no known difference in subject goods produced by the Indian industry and imported from China PR. Subject goods produced by the Indian industry and imported from China PR are comparable in terms of characteristics such as

product specifications, manufacturing process & technology, functions & uses, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods. The two are technically and commercially substitutable. The consumers are using the two interchangeably. Subject tapes produced by the petitioners and imported from China PR should be treated as like articles in accordance with the anti dumping Rules.

There is no known difference in the technology adopted by the domestic industry and the manufacturers in China. The technology adopted by the domestic industry is comparable to the technology adopted by the manufacturers in China. However, every manufacturer fine-tunes its production process on the basis of necessities and available facilities.

The Authority therefore for the purpose of preliminary determination pending final determination holds that the goods produced by the Domestic Industry and those exported from the subject country are like article within the meaning of the Rules 2(d).

3. DOMESTIC INDUSTRY

- (i) The present petition has been jointly filed by FMI Limited, Ludhiana and Freemans Measures Limited, Ludhiana., representing the domestic industry. The petitioner companies constitute 90% of the subject goods under production.
- (ii) The Authority notes that the petitioners constitute more than 50% of the total domestic production and therefore have the standing to file the petition on behalf of the domestic industry as per Rule 5 (3) (a) and (b) of the Anti-

Dumping Rules and also represent Domestic Industry in terms of Rule 2(b)

4. NORMAL VALUE & EXPORT PRICE

Under Section 9A(1)(c), normal value in relation to an article means:

- (i) The comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or
- (ii) When there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either:-
 - (a) Comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or
 - (b) The cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section(6);

Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transhipped through the country of export or such article is not produced in the country of export or there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin.

The Authority also notes the various custom notification no. 44/99 (NT), dated 15th July 1999, No. 28/2001(NT), dated 31st May 2001 and No. 1/2001(NT), dated 4th January 2002 on the anti dumping in respect of the issue of non market economy under the anti dumping Rules.

The normal value and ex-factory export price determination is illustrated below.

A. NORMAL VALUE

- (i) Designated Authority sent questionnaires to the known exporters/producers in China and Embassy of the subject country in India.
- (ii) The Authority notes that none of the exporters from, PR China have responded to the questionnaire sent by the Authority for the purpose of investigation to the initiation notification. In view of this non-cooperation, the Authority upholds the claim of the petitioners for treating such producers/exporters on the non-market principle as none of the exporter have rebutted the claim of non market economy claim by the petitioner. The Authority notes that the petitioner has claimed China PR as a non market economy on the basis of various findings. The Authority

therefore in view of no rebuttal by the exporter on the issue of non market economy and the fact that the cost of production of the subject goods has not been made available by the exporter thus not permitting the authority to apply the ordinary course of trade test, has referenced the normal value separately for both steel tapes and fibre glass tapes on the basis of constructed cost of production with appropriate adjustments on best available informations on records as per the anti dumping Rules.

- (iii) The Authority has referenced the Normal Value for steel tapes for such producers/exporters as ****\$/Kg and the normal value for fibre glass tapes for such producers/exporters as ****\$/Kg for the purpose of preliminary determination pending final determination.

B. EXPORT PRICE

- (i) The Authority notes that the export price has been determined separately for both steel tapes and fibre glass tapes on the basis of the data compiled by DGCI&S Kolkata. Since there is no response from exporters, adjustments on ocean freight, ocean insurance, commission, inland freight, and port expenses to an extent of ****\$/Kg, ****\$/Kg, ****\$/Kg, ****\$/Kg. and ****\$/Kg. respectively as provided by the petitioners.
- (ii) The ex-factory export price for steel tapes is referenced as ****\$/Kg and the ex-factory export price for fibre glass tapes is referenced as ****/Kg for the purpose of preliminary determination pending final determination.

5. DUMPING- Comparision of Normal Value & Export Price

The rules relating to comparison provides as follows:

"While arriving at margin of dumping, the Designated Authority shall make a fair comparison between the export price and the normal value. The comparison shall be made at the same level of trade, normally at ex-works level, and in respect of sales made at as nearly possible the same time. Due allowance shall be made in each case, on its merits, for differences which affect price comparability, including differences in conditions and terms of sale, taxation, levels of trade, quantities, physical characteristics, and any other differences which are demonstrated to affect price comparability."

The authority has carried out weighted average normal value comparison with the weighted average ex-factory export price in Period of Investigation, for evaluation of the dumping margin for all the exporters/producers of the subject country.

The dumping margin for exporter/producers comes as under:

Sl. No.	Country/Exporter/ Producer	Normal Value (\$/Kg.)	Ex-Factory export price (\$/Kg.)	Dumping Margin as % of EP
1	China PR			
	(Steel Tape)	****	****	1069%
	(Fibre Glass Tape)	****	****	148%

6. INJURY AND CAUSAL LINK

Under Rule 11 supra, Annexure-II, when a finding of injury is arrived at, such finding shall involve determination of the injury to the domestic industry, ".....taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles...." In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

- (i) For the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry in India, we may consider such indices having a bearing on the state of the industry as production, capacity utilisation, sales quantum, stock, profitability, net sales realisation, the magnitude and margin of dumping, etc. in accordance with Annexure II(iv) of the rules supra.
- (ii) The Authority notes and observes the following economic parameters in the case of domestic producers who had supported the petition initially ,

	1999-2000 (Kg)	2000-2001 (Kg)	2001-2002 (Kg)	POI (Kg)	Annualized (Kg)
Imports					
China	100283	81228	261117	342382	273906
Other Countries	1021	4790	156	533	426
Market share in					

Imports					
Subject Countries(%)	99	94	99.94	99.54	99.84
Economic Parameters of Domestic Industry (Kg)					
Capacity	989550	989550	989550	1236938	989550
Production	671833	635367	603589	760429	608343
Capacity Utilization(%)	67.89	64.21	61	61.48	61.48
Domestic Sales	480868.76	508113.9	515880	638394.6	510715
Closing stock	15044.35	10153.67	8571.67	23548.93	23548.93
Unit Cost of Production (Rs./Kg)	****	****	****	****	****
Unit selling price(Rs./Kg)	****	****	****	****	****
Unit Profit/Loss (Rs./Kg)	****	****	****	****	****
Demand (Kg)	736076	750190	965056	1216189	972951
Market Share in Demand(%)					
Imports	13.76	11.47	27.08	32.51	28.19
Subject countries	13.62	10.83	27.06	32.36	28.15
Other countries	0.14	0.64	0.02	0.04	0.04
Domestic Industry	65.33	67.73	53.46	52.49	52.49
Indian Industry	20.91	20.80	19.47	19.31	19.31
Imports in relation to Production of domestic industry (%)	15	14	43	45	45
Employment	829	732	682	676	676
Production per day	2195.53	2096.3	1972.51	1968	1968

(iii) Imports of Measuring Tapes from subject countries have increased significantly in (i) absolute terms; (ii) in relation to production; and (iii) in relation to the consumption in India. While the imports are primarily from subject country only, share of imports from China has increased significantly in period of investigation in relation to the demand in India.

- (iv) The production and capacity utilization of the domestic industry has declined in period of investigation. This decline in the production and capacity utilization is in spite of the fact that one of the petitioner companies is not very old in terms of commercial production of the subject goods.
- (v) Both the petitioner companies determine their prices best on prevailing market conditions. The market prices were driven by the lower prices of the dumped imports as the share of dumped imports has increased from 94% in 2000-01 to 99.94% in 2001-02. Based on the records available no other factor appears to have affected the domestic price.
- (vi) Though domestic sales volumes of the domestic industry has marginally increased, the selling price has declined. Further, domestic industry could not reduce its selling price to match dumped imports due to following reasons:-
 - a. Measuring Tapes is a consumer product, which is basically sold at retail level. There are hardly any large scale sales to direct consumers.
 - b. The consumers include mainly those peoples who are not much educated.
 - c. The landed price of imports is so low as compared to the cost of production and selling price of the domestic industry that the domestic industry cannot even think of reducing its price to match the price of imported tapes.
 - d. Considering the situation, the domestic industry had two option, either to match the price or to lose the sales. There is very significant different gap the cost of production or

selling price and landed price of imports. It is nothing but impossible to match the landed price. Therefore, the domestic industry is losing the market.

- (vii) In view of the above, the domestic industry could not reduce the selling prices to match the dumped imports.
- (viii) Inventory with the domestic industry has increased from 10153.67 Kg. to 23548.93 Kg. in POI significantly in period of investigation.
- (ix) It has been observed the dumping by the subject country has had a significant impact on the net sales realisation of the domestic industry for the subject goods. To preserve its market share the petitioner had to compete with low priced and dumped imports of the subject goods from the subject country. The landed price of the dumped imports indicating the evidence of price undercutting.
- (x) The Authority notes that the landed value of dumped imports from China is much below the cost of production of domestic industry which is resulting in price suppression/depression.
- (xi) The employment level of domestic industry has declined.
- (xii) The productivity of the domestic industry has increased due to decline in the number of employees. It is also observed that the production per employee has increased, whereas production per day declined significantly.
- (xiii) The cash profit of the industry increased in 2000-01 and declined in POI.

- (xiv) The demand for the product has increased. However, the growth of the domestic industry has declined significantly. The imports are retarding the growth of the domestic industry in spite of significant demand in the country. In such a situation it would be difficult for the domestic industry to plan fresh investments.
- (xv) The Authority notes that all relevant factors cumulatively and collectively establish that the domestic industry has suffered the material injury during the period of investigation due to dumped imports.

7. Causal Link:-

The domestic industry is facing injury due to dumping of Measuring Tapes by exporters from China.

The share of volume of dumped imports in total consumption has increased from 10.83% in 2000-01 to 28.15% during POI. The market share of the domestic industry fell from 67.73% in 2000-01 to 52.49% during POI. The dumped imports were coming into India at price that significantly undercut the prices of the like domestic product. The prices of dumped import have caused both price depression and price suppression on the prices of the like domestic products. Thus both volume and price effect is established.

There is no contraction in demand (demand has rather increased). Further, there is no other factor such as trade restrictive practice or development in technology which could have caused material injury to the domestic industry. Increase in imports in absolute terms as also relative to the

production and consumption in India have directly resulted increase in the sales, which further resulting in decline in the share of the domestic industry in the demand of the product in the country. Further, the low prices of imports have prevented the domestic industry from optimizing their profitability.

8. INDIAN INDUSTRY'S INTEREST & OTHER ISSUES

The Authority holds that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country.

The Authority also recognizes that though the imposition of anti-dumping duties might affect the price levels of the products manufactured using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products, however, fair competition in the Indian market will not be reduced by these anti-dumping measures. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantages gained by the dumping practices and would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice of the subject goods to the consumers. Imposition of anti-dumping measures would also not restrict imports from the subject country in any way, and, therefore, would not affect the availability of the products to the consumers.

9. LANDED VALUE

The landed value of imports for the purpose shall be the assessable value as determined by the customs under Customs Tariff Act, 1962 and applicable level of custom duties except duties levied under Section 3, 3A, 8B, 9, 9A of the Customs Tariff Act, 1975.

D. CONCLUSIONS:

It is seen, after considering the foregoing, that:

- a) The subject goods in all forms originating in or exported from the subject country have been exported to India below its normal value.
- b) The domestic industry has suffered material injury.
- c) The injury has been caused to the domestic industry by dumping of the subject goods originating in or exported from the subject country.
- d) The imports significantly undercut the price of the domestic product forcing the domestic industry to sell at unremunerative prices.
- e) The Authority recommends anti-dumping duty on imports of subject goods falling under Chapter 90 originating in or exported from the subject country.
- f) It was considered to recommend the amount of anti-dumping duty equal to the margin of dumping so as to remove the injury to the domestic industry accrued on account of dumping. Accordingly, it is proposed that provisional anti dumping duties equal to the difference between the amount in Col. 3 of the table below and landed value of the subject goods in US\$/Kg be imposed, from the date of notification to be issued in this regard by the

Central Government, on all imports of all types of steel measuring and fiber glass tapes, and their parts, components etc. originating in or exported from China PR under Chapter 90 Customs sub-heading 9017, 9017.80, 9017.8001, 9017.90 of the Customs Tariff, pending final determination.

1	2	3
Sl. No.	Country/Exporter/Producer	Amount(US\$/Kg.)
1	China PR	
	(Steel Tapes and their parts and components)	4.106
	(Fibre Glass Tapes and their parts and components)	4.775

E. FURTHER PROCEDURE

The following procedure would be followed subsequent to notifying the preliminary findings:

- a. The Authority invites comments on these findings from all interested parties and the same would be considered in the final findings;
- b. Exporters, Importers, Petitioner and other interested parties known to be concerned are being addressed separately by the Authority, who may make known their views, within forty days from the date of the despatch of the letter. Any other interested party may also make known its views within forty days from the date of publication of these findings;

- c. The Authority would conduct verifications to the extent deemed necessary;
- d. The Authority would provide opportunity to all interested parties for oral submissions, for which the date and time shall be communicated to all known interested parties separately;
- e. The Authority would disclose essential facts before announcing final findings.

L. V. SAPTHARISHI, Designated Authority